अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व विज्ञ (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.08.2022

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 कोई पांच संस्कृत सूत्रों के हिन्दी अर्थ लिखें– 10

(क) शेषद्रव्यशून्यमाकाशमलोकः।

(ख) स्निग्धरूक्षत्वाद् अजघन्यगुणानाम्।

(ग) परनिमित्तानपेक्षः स्वभावपर्यायः।

(घ) ईहितविशेषनिर्णयः अमुक एवेत्यवायः।

(ङ) पर्याप्ताऽपर्याप्तादयोऽपि।

(च) प्रतिनियतविषयग्राहि इन्द्रियम्।

प्र. 2 निम्नलिखित पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षप में दें– 10

(क) सृष्टि किसे कहा जाता है?

(ख) काल किनके द्वारा जाना जाता है?

(ग) प्रदेश से क्या तात्पर्य है? वह परमाणु से भिन्न क्यों है?

(घ) दर्शन को अनाकार उपयोग क्यों कहा जाता है?

(ङ) पारिणामिक भाव किसे कहते हैं? इसके प्रकार लिखें।

(च) जरायुज और पोतज किसे कहते हैं?

प्र. 3 कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

(क) पुद्गल के धर्म का विवेचन करें।

(ख) पर्याय पर टिप्पणी लिखें।

(ग) श्रुतज्ञान किसे कहते हैं तथा उसके भेद लिखें।

गमा का थोकड़ा–70

प्र. 4 कोई छः प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 6

(क) असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय कितनी नरक तक जा सकते हैं?

(ख) नौ ग्रैवयक में कितने संहनन वाला जा सकता है?

(ग) पृथक वर्ष की स्थिति वाले मनुष्य की अवगाहना कितनी होती है?

(घ) प्रथम नरक में असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति में गमा 5-6 में अध्यवसाय अशुभ किस अपेक्षा से माना गया है?

(ङ) सातवीं नरक में संख्यात वर्ष में संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में वेद कितने व कौन से हैं?

(च) नौ निकाय में तिर्यंच यौगलिक की उत्पत्ति में तीसरे नरक का जघन्य व उत्कृष्ट काल (कायसंवेध) बतायें।

(छ) नौ निकाय में मनुष्य यौगलिक की उत्पत्ति में गमक सात में जघन्य-उत्कृष्ट अवगाहना लिखें।

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

(क) अनुबंध द्वार को स्पष्ट करें।

(ख) 44 घरों में 48 जीवों का गणित क्या है?

(ग) व्यंतर देवलोक में कौन-कौन से जीवों की उत्पत्ति होती है?

(घ) कौन से द्वारों का वर्णन एक समान है?

(ङ) प्रथम नरक में संज्ञी तिर्यंय पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति में गमक 4-5-6 का नाणता लिखें।

(च) दूसरी नरक शर्कराप्रभा में कितने व कौन से स्थानों से उत्पत्ति होती है?

प्र. 6 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 54

(क) यंत्र 7 का काय-संवेध द्वार लिखें।

(ख) चौथी नरक में संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में अवगाहना, आयु द्वार तथा ज्ञान-अज्ञान द्वार लिखें।

(ग) पांचवीं नरक में संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में उपपात द्वार, परिमाण द्वार व नाणता लिखें।

(घ) यंत्र 12 का परिमाण द्वार से लेकर दृष्टि द्वार तक लिखें।

(ङ) सातवीं नरक में संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति में उपपात, ज्ञान-अज्ञान द्वार तथा नाणता लिखें।

(च) यंत्र 16 का काय-संवेध द्वार लिखें।

(छ) असुरकुमार में संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति में अवगाहना, अनुबंध व नाणता को अपेक्षा भेद से लिखें।

(ज) असुरकुमार में मनुष्य यौगलिक की उत्पत्ति का काय-संवेध द्वार लिखें।

(झ) यंत्र 21 का समुद्घात द्वार से अनुबंध द्वार तक लिखें।

(ञ) नौ निकाय में संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति में प्रथम छः गमक के उपपात द्वार व अवगाहना को अपेक्षा भेद से लिखें।